हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 29 जुलाई 2025

तापमान
अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 29.0 डिग्री

11 सावन के तीसरे सोमवार को भी श्रद्धालुओं की शिवालयों में...

11 हरियाली तीज का पर्व प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीकः मिड्ढा

खबर संक्षेप

डेढ़ लाख की नकदी और आभूषण चोरी

जींद। चमेला कालोनी नरवाना में बीती रात चोरों ने मकान से डेढ़ लाख की नकदी तथा सोना, चांदी के जेवरातों को चोरी कर लिया। शहर थाना नरवाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चमेला कालोनी निवासी प्रमोद ने शिकायत में बताया कि बीती रात चोर उसके घर में घुस आए और डेढ़ लाख रुपये की नगदी तथा चार तोले सोने के जेवरात, कपडों को चोरी कर लिया।

कातिलाना हमला करने के दो आरोपित गिरफ्तार

कैथल। ढांड क्षेत्र में एक युवक पर कातिलाना हमला करने के मामले की जांच सीआईए-1 प्रभारी एसआई जसवंत सिंह व थाना ढांड पुलिस के एएसआई सुरेश कुमार की संयुक्त टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव टयोठा निवासी रोहित कुमार व कमोदा जिला कुरुक्षेत्र निवासी प्रिंस कुमार को काबु कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जिला यमुनानगर के गांव पम्मुवाला निवासी रामकुमार की शिकायत दर्ज करवाई थी।

सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत

ढांड। कैथल कुरुक्षेत्र रोड पर सोलूमाजरा के नजदीक अदानी साइलो के पास रविवार रात को बाइक सवार अधेड़ की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। पुलिस को दी शिकायत में बंदराना निवासी बलराम ने बताया कि वह रविवार को सीईटी का पेपर देने के लिए गया था। रात को जब ढांड बस स्टैंड पर पहुंच तो अपने 47 वर्षीय पिता ईशम सिंह को फोन कर उसे गांव में ले जाने को बुलाया था।

प्रताड़ना के आरोप में पति नामजद

कैथल। पुंडरी पुलिस ने दहेज प्रताड़ना का एक मामला दर्ज किया है। पाई की एक महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसकी शादी कुछ समय पूर्व जनक राज के साथ रिती रिवाज अनुसार हुई थी। शादी के समय उसके माता पिता ने उसे दहेज भी दिया था। आरोप है कि दहेज की मांग को लेकर उसके पति उसके साथ मारपीट करते थे तथा ताने भी देते थे। हर रोज की मारपीट से परेशान आकर वह अपने मायके लौट आई और पुलिस को शिकायत दी।

गांव कौल में मारपीट में एक व्यक्ति घायल

कैथल। गांव कौल में हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। कौल के जतिन ने ढांड पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 26 जुलाई को जब वह गांव कौल से जा रहा था तो गांव के ही जसविंदर, महेंद्र, अनिल, प्रवीण ने अपने दो-तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर लाठी डंडे और पेचकस से हमला करते उसे घायल कर दिया। यह भी आरोप है कि आरोपियों ने उसे मारने की धमकी भी दी।

पोलड से अज्ञात फोन छीनकर हुआ फरार

कैथल। गांव पोलड से एक अज्ञात व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गया। गांव कुराड के कृष्ण कुमार ने सीवन पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 26 जुलाई को जब वह गांव पोलड़ के निकट से गुजर रहा था तो एक अज्ञात व्यक्ति उसका मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गया। सहायक उप निरीक्षक अमृतलाल ने बताया कि पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध हालात में युवती लापता, शिकायत दर्ज

जींद। सफीदों से युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर शहर थाना सफीदों पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सफीदों निवासी एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 24 जुलाई को उसकी बेटी घर से गायब हो गई। तलाशने करने पर कोई सुराग नही लगा। शहर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगो के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा 30 और 31 जुलाई को आयोजित होगी

कैथल में 25 परीक्षा केंद्रों पर 14 हजार अभ्यर्थी देंगे पेपर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

एसडीएम अजय सिंह ने कहा कि 30 व 31 जुलाई को हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा तीन सत्र में दो दिन आयोजित की जाएगी। जिला में 14 हजार 348 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। सभी संबंधित अधिकारी अपनी ड्यूटी को बड़ी जिम्मेदारी के साथ निभाएं। बोर्ड द्वारा जारी की गई गाइडलाइन को ध्यान से पढ़े और उसका शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित करते हुए परीक्षा को नकल रहित, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न करवाएं।

एचटेट परीक्षा के जिला नोडल अधिकारी एसडीएम अजय सिंह सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में ड्यूटी मजिस्ट्रेट, परीक्षा केंद्र अधीक्षक की बैठक लेकर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सबसे पहले सीईटी परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर सभी अधिकारियों को बधाई दी और एचटेट परीक्षा के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि परीक्षा में तीन लेवल होंगे, जिसमें पोस्ट ग्रेजुएट टीचर (पीजीटी), ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर (टीजीटी) तथा प्राथमिक शिक्षक (पीआरटी) की परीक्षा शामिल है। पीजीटी की परीक्षा 30 जुलाई को सायं कालीन सत्र में होगी और इसमें 4446 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। इसी प्रकार 31 जुलाई को सुबह के सत्र में टीजीटी की परीक्षा होगी और सायं कालीन सत्र में पीआरटी की परीक्षा होगी। दोनों परीक्षाओं में क्रमशः 7538 और 2364 अभ्यर्थी शामिल होंगे। सभी ड्यूटी मजिस्ट्रेट बोर्ड द्वारा निर्धारित समय अनुसार प्रश्न पत्रों को ट्रेजर से प्राप्त करके परीक्षा केंद्र तक पहुंचना सुनिश्चित करें। परीक्षा केंद्र अधीक्षक से मिलकर सुनिश्चित करें कि सीसीटीवी कैमरे, जैमर आदि तय समय पर चल जाएं। अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पूरी तरह सतर्क होकर अपनी ड्यूटी करें। ड्यूटी मजिस्ट्रेट प्रश्न पत्र लेने के बाद परीक्षा केंद्र में जमा करवाते हुए वीडियोग्राफी करवाएं। परीक्षा केंद्र के बाहर सुरक्षा कर्मचारी लोगों को अनावश्यक एकत्रित न होने दें। अभ्यर्थियों की गहनता के साथ तलाशी लें और किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या मोबाइल आदि परीक्षा केंद्र के अंदर ले जाना पूरी तरह निषेध है। परीक्षार्थियों के साथ सहज भाव से पेश आएं और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। अभ्यर्थियों से भी अपील की कि वे समय पर केंद्र पर पहुंचे और बोर्ड द्वारा जारी की गई गाइडलाइन का पालन करते परीक्षा दें।

परीक्षा को जिम्मेदारी के साथ संपन्न करवाएं

कैथल। एसडीएम अजय सिंह अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते।

शंकाओं को दूर किया

जिला शिक्षा अधिकारी विजय लक्ष्मी ने परीक्षा की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी और हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी हिदायतों के बारे में विस्तार से बताया। इसके बाद केंद्रों अधीक्षकों की शंकाओं को दूर किया गया। बोर्ड से आए अधिकारी ने परीक्षा को लेकर जारी एसओपी के बारे में जानकारी दी।

एचटेट परीक्षाः जींद में बनाए 30 सेंटर

उपायुक्त ने की अधिकारियों और प्राचार्यों के साथ बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा 2025 के सुचारू एवं निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को लघु सचिवालय में उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारीए स्कूल प्राचार्य शामिल हुए। उपायुक्त ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही में संपन्न अन्य परीक्षाओं की तरह इस परीक्षा का भी सफल आयोजन जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण निष्ठाए संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभाएं ताकि परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। उन्होंने बताया कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्डए भिवानी द्वारा आयोजित एचटीईटी परीक्षा 30 व 31 जुलाई को आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा के लिए जिला जींद में कुल 30 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। एसडीएम जींद को इस परीक्षा के लिए ओवरऑल इंचार्ज नियुक्त किया गया है। परीक्षा के निष्पक्ष संचालन हेतु कंट्रोल रूम की स्थापना भी की गई है। उपायुक्त ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी एपेयजलए स्वच्छ शौचालयए बैठने के लिए बैंचों की समुचित व्यवस्थाए एवं सुरक्षा की दृष्टि से पुलिसबल की तैनाती सुनिश्चित की जा रही है। साथ हीए दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए गए कि किसी भी केंद्र पर स्टाफ की कमी नहीं होनी चाहिए। बैठक में एएसपी सोनाक्षी सिंह, एसडीएम सत्यवान मान, सीटीएम मोनिका, डीईईओ सुभाष वर्मा, शिक्षा विभाग भिवानी से प्रतिनिधि राजेंद्र कुमार और संबंधित स्कूलों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

जींद। एचटेट को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते डीसी।

समय से पहले पहुंचे परीक्षार्थी

उपायुक्त ने परीक्षार्थियों से अपील की कि वे अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र पर समय से पूर्व पहुंचें और अपने साथ केवल एडमिट कार्ड व वैध पहचान पत्र ही लेकर आएं। साथ ही उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र में किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, आभूषण या संदेहास्पद वस्तुओं को लाना प्रतिबंधित रहेगा। सभी अभ्यर्थी अपने एडमिट कार्ड पर दिए गए दिशा-निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर ही परीक्षा केंद्र पर आएं।

घायल बदमाश जिला मुख्यालय अस्पताल में शिफ्ट

- घटनास्थल से पिस्तौल तथा खोल बरामद, जांच जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल निजी चिकित्सक हत्यारोपित बदमाश के खिलाफ सदर थाना नरवाना पुलिस ने जानलेवा हमला करने, शस्त्र अधिनियम, सरकारी कार्य में बाधा डालने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से एक पिस्तौल बरामद किया है। जींद सीआईए थाना प्रभारी ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि उन्हे सफीदो मे चाकू मार कर निजी चिकित्सक की हत्या करने का आरोपित गांव जयसिंहपुरा निवासी प्रदीप उर्फ नन्हा गांव सुंदरपर के निकट ओवरब्रिज के पास खड़ा हुआ है। जो कहीं जाने की फिराक में है। सूचना के आधार पर सीआईए कर्मियों ने आरोपित को घेर लिया। पुलिस ने आरोपित को सरेंडर करने के लिए कहा तो आरोपित ने पुलिसकर्मियों पर अपने पास मौजूद असलहा से फायरिंग शुरू कर दी। जिसमें पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। जबाव में पुलिस ने भी फायरिंग की। जिसमें गोली आरोपित प्रदीप की टांग में जा लगी और घायल हो गया। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से एक पिस्तौल तथा घटना स्थल से खोल भी बरामद किए हैं। आरोपित को पहले नरवाना के नागरिक अस्पताल ले जाया गया जहां पर आरोपित को प्राथमिक उपचार देकर जिला मुख्यालय रेफर कर दिया। सदर थाना नरवाना पुलिस ने सीआईए प्रभारी की शिकायत पर आरोपित प्रदीप के खिलाफ जानलेवा हमला करने, शस्त्र अधिनियम, सरकारी कार्य मे बाधा डालने का मामला दर्ज किया है।

मामला दर्ज

सदर थाना नरवाना के जांच अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना से मिले असलहा को कब्जे मे ले लिया गया है। आरोपित सफीदो के चिकित्सक हत्या काड मे शामिल था।

बिजली समस्या को लेकर लगाया जाम

- एसडीओ ने समस्या के समाधान का आश्वासन देकर खुलवाया जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव लोन के ग्रामीणों ने सोमवार को बिजली के अघोषित कटों से परेशान तथा जले बिजली ट्रांसफार्मर को बदलवाने की मांग को लेकर नरवाना-टोहाना मार्ग पर जाम लगा दिया। घटना की सूचना पाकर गढ़ी थाना पुलिस तथा बिजली निगम के एसडीओ मौके पर पहुंच और बिजली आपूति बहाली का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। गांव लोन के ग्रामीणों का सोमवार को उस समय धैर्य जवाब दे गया जब गांव की बिजली आपूर्ति बहाल नही हुई। गुस्साए ग्रामीण नरवाना-टोहाना मार्ग पर आ गए और अवरोधक डाल कर जाम लगा दिया। ग्रामीणों का कहना था कि उमस भरे मौसम में लगातार बिजली के लंबे कट लग रहे हैं। दिन तो किसी तरह कट जाता है, रात को उनकी दिक्कत और बढ़ जाती है। रात से बिजली गुल रहने के कारण पेयजल स्पलाई भी नही हुई है। पशुओं के लिए चारा नही काट पा रहे है। खेतों में भी बिजली स्पलाई नही हो रही है। बारिश ने होने तथा टयूबवैल न चलने के कारण फसलों पर भी विपरित प्रभाव पड़ रहा है। बिजली ट्रांसफार्मर भी जला हुआ है। बिजली निगम के कर्मचारी कोई संतोषजनक जवाब नही दे रहे हैं। जाम की सूचना पाकर गढ़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और ग्रामीणों से बातचीत कर समस्या को जाना। जिसके बिजली निगम के एसडीओ दीपक ग्रामीणों के बीच पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों का बिजली आपूर्ति बहाली का आश्वासन देकर शात कर जाम खुलवाया। बिजली निगम के एसडीओ ने बताया कि बिजली कट पीछे से लगने के कारण दिक्कत आई है। खराब ट्रांसफार्मर को बदल जा रहा है। बिजली से जुड़ी समस्या का समाधान कर दिया गया।

जींद। जाम लगाए ग्रामीण। *फोटो :हरिभूमि*

दुधिया रोशनी से रोशन होगा जन्मेजय स्टेडियम

- आठ लाख रुपये की लागत से बिजली के 10 पोल स्थापित कर मिटाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सफीदों का जन्मेजय स्टेडियम जल्द ही दुधिया रोशनी से रोशन होगा। इसके लिए काम शुरू हो चुका है। सफीदों के एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने बताया कि सफीदों के जन्मेजय स्टेडियम के खेल मैदान में लगभग आठ लाख रुपये की धनराशि से बिजली के 10 पोल स्थापित करवाए जा रहे हैं। इस कार्य के पूरा होने से रात्रि के समय में भी खिलाड़ी अपना अभ्यास सुगमता व सुरक्षित माहौल में कर सकेंगे। एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने बताया कि सरकार के निर्देशों व खिलाडिय़ों की मांग पर स्टेडियम, खेल मैदानए खेल नर्सरी आदि पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी निरंतरता में जन्मेजय खेल स्टेडियम में प्राथमिकता के आधार पर बिजली के पोल स्थापित करवाए जा रहे हैं। बिजली वर्क पूरा होने से अब रात्रि के समय में भी खिलाडिय़ों को अभ्यास करने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। बताया कि जल्द ही उच्च अधिकारियों के साथ बातचीत कर यहां बंद पड़े बोरवेल, चारदीवारी की मरम्मत, घास कटिंग मशीन, शौचालयों की मरम्मत अन्य मूलभूत सुविधाएं खिलाडिय़ों के लिए उपलब्ध करवाई जाएगी।

जल निकासी न होने से लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी व आसपास के क्षेत्रों में कई दिनों से छाई भीषण गर्मी से लोग परेशान थे, लेकिन आज शाम अचानक बादल छाए और तेज बारिश हुई। जिससे किसानों और आम जन ने राहत की सांस ली। सुबह तक तेज धूप और उमस ने तापमान को करीब 40डिग्री तक पहुंचा दिया था, लेकिन शाम को हुई बारिश से मौसम में ठंडक महसूस की गई। बारिश की यह बूंदें धान की फसलों के लिए वरदान साबित हो रही हैं। किसानों के अनुसार, गर्मी की वजह से फसलों में कई बीमारियां पनप रही थीं, जिनसे बारिश के आने के बाद बहुत लाभ होगा। किसान रामधारी, बलदेव, शेर सिंह, लख्मीचंद व नरेश ने बताया कि वे बारिश का इंतजार कर रहे थे, अब फसल बीमारियों से उबर सकते हैं। हालांकि इस बारिश ने प्रशासन की पानी निकासी व्यवस्था की पोल भी खोल दी। पूंडरी शहर के बस स्टैंड, कैथल–करनाल रोड, मुख्य बाजार, सैनी मोहल्ला, अनाज मंडी, ट्रक व टेंपो यूनियन, गुरु ब्रह्मानंद चौक हर जगह पानी भर गया और सड़कें मानो नदी में बदल गईं। दुकानदारों ने बताया कि बारिश के बाद कई दिनों तक पानी जमा रहता है, जिससे व्यापार प्रभावित होता है।

पूंडरी। पूंडरी में बारिश का दृश्य। *फोटो :हरिभूमि*

यूटयूबर पर ब्लैकमेलिंग का मामला दर्ज किया

- डिप्टी स्पीकर के सलाहकार ने लगाए रुपये मांगने और भ्रामक खबर फैलाने के आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा के मीडिया सलाहकार ने एक यूट्यूबर पर ब्लैकमेल कर रुपये मांगने, सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट डालने, छवि खराब करने की कोशिश के आरोप लगाते पुलिस को शिकायत दी है। शहर थाना पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई करते हुए यू टयूबर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सोमवार को जानकारी देते हुए जींद के सेतियान मोहल्ला निवासी सन्नी मग्गू ने जींद शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह विधानसभा डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा के मीडिया सलाहकार के रूप में कार्यरत है। सोशल मीडिया पर सिटी न्यूज और हरियाणा रिपोर्ट के नाम से पेज है। इस पेज का एडमिन यूट्यूबर पिछले कई दिनों से भाजपा सरकार और डिप्टी स्पीकर के खिलाफ झूठी व भ्रामक खबरें फैला कर छवि खराब करने का प्रयास कर रहा है। यह यूटयूबर कुछ दिन पहले उससे पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में भी मिला था और उसने रुपये की मांग करते हुए धमकी दी थी।

आधे शहर में सड़क तथा गलियां लबालब, आधे में उड़ी धूल, आधा शहर और खेत रहे सूखे

जींद में 26.2, नरवाना में 24 एमएम बारिश, अन्य स्थानों पर रहा सूखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मानसून की सक्रियता से बारिश की आस जागी है। सोमवार को जींद तथा नरवाना के कुछ इलाकों में बारिश हुई। बावजूद इसके उमस से राहत नही मिली। तापमान में हलकी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 27 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 71 प्रतिशत तथा हवा कि गति पांच किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। सोमवार को जींद मे 26.2 एमएम, नरवाना मे 24 एमएम बारिश दर्ज की गई। जबकि अन्य स्थानों पर मौसम शुष्क बना रहा। आकाश में छाए बादलों से बारिश के आसार भी बने रहे। मौसम विभाग के अनुसार 31 जुलाई तक बादल छाए रहने के साथ बारिश की संभावना है। बारिश के बाद भी नही मिली उमस से राहतः सोमवार को दिन का आगाज आकाश में छाए बादलों तथा उमस के साथ हुई। दिन चढने के साथ उमस भी मौसम मे जबरदस्त बन गई। बिजली लाइन भी ट्रिप होने लगी। नरवाना तथा जींद में दोपहर बाद मौसम ने करवट ली और झमाझम बारिश शुरू हो गई। तापमान में दो डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। बावजूद इसके उमस से राहत नही मिली। शाम को फिर से बादल आकाश में घिर आए और बारिश के आसार बन गए।आधे शहर सूखे तथा आधे शहर सडके तथा गलिया लबालबः सोमवार को जींद तथा नरवाना में मुख्यालय के आसपास के इलाकों में बारिश हुई। जबकि दोनों शहरों के कुछ इलाके बारिश से अछूते रहे। जिस इलाकों में बारिश हो रही थी वहां पर सड़कें तथा गालियां पानी से लबालब भर गई। हालांकि बरसाती पानी की निकासी भी जल्द हो गई। आधे शहर मे अच्छी बारिश तो आधे शहर मे सूखा लोगों के लिए कोतूहल का विषय बना रहा।

अच्छी बरसात की दरकार, किसान परेशान

जिले में इस मानसून सीजन में अच्छी बारिश नही हुई है। औसत से कम बारिश जिले में हुई है। फसलों को बचाने के लिए किसानों को टयूबवैलों का सहारा लेना पड़ रहा है। कम बारिश का असर फसलों पर साफ देखने को मिल रहा है। फसलों में दरार पडनी शुरू हो गई है। किसानों को अच्छी बारिश की दरकार है। अब मानसून की सक्रियता से किसानो को अच्छी बारिश की आस जागी है। मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि मानसून फिर से सक्रिय हुआ है। 31 जुलाई तक बारिश के आसार बन रहे है। अगले तीन दिनों तक आकाश में बादल छाने के साथ बारिश की संभावना है। तापमान मे भी गिरावट आएगी।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

रोहतक, मंगलवार
29 जुलाई 2025

हरिभूमि सहेली

विशेष : मित्रता दिवस
3 अगस्त

सावन में सहेलियों का साथ एक अलग तरह की खुशी देता है। सहेलियां मिलेंगी तो पुरानी यादों का झरोखा भी खुलेगा, ठंडी हवा की तरह तन-मन को पुलकित करेगा। सहेलियों का मिलते रहना बहुत जरूरी है, यह जीवन की नीरसता को छांटता है, भीतर उत्साह-उमंग भरता है, ऊर्जावान बनाता है। एक तो सावन, ऊपर से मित्रता दिवस का अवसर हो तो अपने मैत्री भाव की पेंगे जरूर भरिए।

सहेलियों का ना बिसरने वाला मैत्री भाव

आवरण कथा
मोनिका शर्मा

सावन की रिमझिम में हर स्त्री का मन अपनी सखियों को याद करता है। इस हरियल मौसम में उनका दिल उम्र के कुछ पड़ाव पीछे चला जाता है। आज की आपा-धापी में सखियों संग खिलखिलाती कल के दौर की एक लड़की स्त्रीमन में दस्तक देती है। भूला-सा कुछ स्मरण हो आता है। स्नेह के सरस भाव से बंधी डोर कुछ प्यारे लम्हों को दिलो-दिमाग में बांध लेती है। अनुभूतियां ठहर-सी जाती हैं। जो संग-साथ के अनमोल पलों को याद करने की ओर मोड़ती हैं। साथ ही यह भी याद दिलाती हैं कि जीवन के हर दौर में सहेलियों का साथ जरूरी है। अपने करीबी रिश्तों-नातों से परे मन से जुड़ने वाले चेहरों संग प्रेमिल भावों को पोसने की सोच हमेशा रखनी चाहिए। ऐसे भाव जीवन से जोड़ते हैं और सदा जोड़े रखते हैं।

स्मृतियों का सुख

असल में स्मृतियों का अपना सुख है। सहेलियों के साथ बीते समय का अपना आनंद है। यादों में दस्तक देती दोस्ती, चेहरे पर मुस्कुराहट ले आती है। आंखों में एक स्नेहपूरित चमक उतरने लगती है। मुस्कुराहटों के साझेपन का उल्लास सावन में झरती बूंदों सा आंखों से बहने लगता है। साथ झूला झूलने वाली सहेलियां, तीज-त्योहार साथ मनाने वाली सखियां भी याद

आती हैं। सहपाठी सहेलियों के साथ जीए आत्मीय पल और बचपन की खिलखिलाहट फिर लौट आती है। आखिर जीवन के सबसे प्यारे पड़ाव पर एक दूजे को चिढ़ाना और शरारतें करना, अपना मन कैसे भूल सकता है? मायके की यादों वाली पोटली में एक हिस्सा तो सहेलियों का ही होता है। औपचारिकताओं से परे यह सुख आत्मा की गहराई से जुड़ा होता है। तभी तो संजीवनी बन हमेशा मन को पोषण देता स्त्रियों का मैत्री भाव, पारिवारिक संबंधों से भी बढ़कर होता है। दुनियावी रीत निभाते हुए सखियों के रास्ते अलग हो जाते हैं। घर-बार बसाने के लिए सबकी अपनी-अपनी राह होती है। शहर क्या देश तक बदल जाते हैं। हां, वे मित्रता की अनमोल निधि को अपने साथ लाना नहीं भूलतीं। नए संसार में कभी ना रीतने वाले इसी खजाने से निकले खुशियों के पल उनके सहभागी होते हैं।

समाज से जुड़ा सखी भाव

स्त्रियों की संवेदनाएं स्वयं तक ही सिमटकर नहीं रहतीं। अपनी सखियों संग बना निश्छल नेह के नाते का यह जुड़ाव व्यक्तिगत चाहतों से ही नहीं, समाज-परिवार के दायित्वों से भी जुड़ा होता है। मेलजोल के समय उनकी बातों में परिवेश की चिंता भी होती है। कई स्त्रियां तो समाज की साझी समस्या का हल तलाशने के दौर में ही सहेली बनती हैं। उनका मन ही नहीं, विचार भी मिलते हैं। तर्क से ज्यादा भावनाओं के धरातल पर जीवन जीना हर स्त्री का नैसर्गिक गुण होता है। बस, मन जुड़ गया तो जुड़ गया। मित्रता के मार्ग में महिलाओं का मन नाप-तौल कर डग नहीं भरता। खुशी, उत्साह और उमंग समेटने का भाव सबसे ऊपर होता है। एक-दूजे के जज्बातों को समझना सबसे अहम होता है। शिकायतों के पुलिंदे भी अधिकार से खोले जाते हैं। स्त्रियों की दोस्ती के इंद्रधनुष में इंसानी जीवन का सतरंगी अंदाज पूरी ठसक से मौजूद रहता है।

तकनीकी से जुड़ते मन के तार

आभासी संसार ने पीछे छूटी अनुभूतियों से जोड़ने का काम किया है। तकनीकी मंचों पर अपनी खोई सखियों को ढूंढकर स्त्रियां बच्चों सी खिलखिलाती हैं। मानो खुद से ही फिर मुलाकात हुई हो। स्थिर से हो चले जीवन में एक हलचल सी महसूस होती है। भाव-विभोर हो अपने बच्चों, अपनी सखियों की तस्वीरें दिखाती हैं। समय के साथ बदलावों को लेकर कभी हैरान होती हैं तो कभी संयत हो जीवन के उतार-चढ़ाव के विषय में सोचने लगती हैं। जैसे मुड़कर देखती हों, ठहर कर सोचती हों। भूला-बिसरा सा फिर कुछ समेट लेना चाहती हों। उस दौर की बेरोक-टोक सी उजली हंसी अपने पल्लू की गांठ

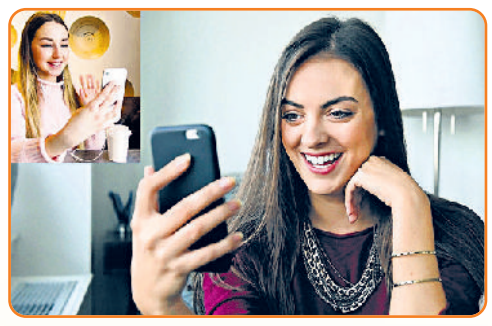

में बांध लेना चाहती हों। उसी आंगन में जाकर चहकना चाहती हों, जहां उनका बचपन बीता। बचपन, जिसका सबसे अहम हिस्सा तो सहेलियों के संग जिए लम्हे ही रहे। कितने सावन और वसंत इस यात्रा का हिस्सा रहे। वर्षों बाद आभासी संसार में जुड़ने भर से यह लगाव-चाव मन पर मौसम की घटाओं की तरह छाने लगता है। यह हमें आह्लादित कर देता है।

बच्चों के लिए भी जरूरी है दोस्ती

बच्चे हों या बड़े, हर किसी के जीवन में दोस्त बहुत मायने रखते हैं, दोस्ती का बहुत महत्व होता है। दोस्त बनाने की कला, उनकी महत्ता को समझने और पूरी गंभीरता से दोस्ती निभाने का पाठ बच्चे अपने घर-परिवार से ही सीखते हैं। इसलिए सभी पैरेंट्स को इस बारे में कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

परवरिश
सरस्वती रमेश

यह सही है कि बड़ों से अलग बच्चों की अपनी मासूम और प्यारी सी दुनिया होती है। इसमें घर-परिवार के सदस्यों के अलावा स्कूल में उनके संग पढ़ने वाले और आस-पड़ोस के दूसरे बच्चे भी शामिल होते हैं। यही उनके दोस्त बनते हैं, जिनके साथ वे खेलते हैं, खाते हैं, पढ़ते हैं, मस्ती करते हैं। कभी-कभी एक-दूसरे से रूठ जाते हैं फिर मनाते भी हैं। बच्चों की ये दोस्ती बहुत प्यारी होती है। बच्चे दोस्ती के मूल्य को समझें और उसे भावी जीवन में अच्छी तरह निभाएं, इसके लिए शुरुआत से ही पैरेंट्स को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

बच्चे की भावनाओं को समझें: कई पैरेंट्स बच्चों की दोस्ती की भावना को लेकर गंभीर नहीं होते हैं। इससे उनके कोमल मन को चोट लग सकती है। जैसा राजू के साथ हुआ। दरअसल, राजू और सोनू बेस्ट फ्रेंड हैं। सोनू की बर्थ-डे पार्टी में जाने के लिए राजू कई दिनों से बहुत उत्साहित था। सोनू का घर राजू के घर से कुछ दूरी पर है, इसलिए वह अकेला नहीं जा सकता था। सोनू के बर्थ-डे पार्टी वाले दिन राजू ने अपनी मम्मी से सोनू के घर पहुंचाने के लिए कहा। लेकिन उसकी मम्मी ने मना कर दिया क्योंकि उन्हें पड़ोस में किटी पार्टी में जाना था। अपने बेस्ट फ्रेंड की बर्थ-डे पार्टी में न जा पाने से राजू बहुत उदास हो गया। उसने अपने हाथों से सोनू को गिफ्ट देने के लिए प्यारा सा ग्रीटिंग कार्ड भी बनाया था। यह बात आपको छोटी सी लग सकती है लेकिन समझने वाली बात यह है कि बचपन की ऐसी मासूम दोस्ती से बच्चों का गहरा जुड़ाव होता है। यह जुड़ाव उनके भीतर भावनाओं और आपसी संबंधों के बीज बोता है। ये छोटी-छोटी खुशियां ही उनके मानसिक विकास और व्यक्तित्व निर्माण की पूंजी होती हैं। उन्हें इन खुशियों से महरूम करना ठीक नहीं। उन्हें दोस्तों के घर आने-जाने दें, उन्हें एक-दूसरे की खुशियों में शामिल होने दें। इससे आगे चलकर भी वे दोस्ती की महत्ता समझेंगे, उन्हें सामाजिकता का बोध होगा।

साथ खेलने दें: बच्चों की सबसे ज्यादा दोस्ती खेलने के दौरान ही होती है। लेकिन कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को हर समय घर के भीतर ही रखते हैं। उन्हें बच्चों के कपड़े, जूते या हाथ गंदे होने और फिर बीमार होने या गलत सोहबत में पड़ने का भय सताता है। यह नहीं भूलना चाहिए कि बच्चे साथ खेलने से परिवार के बाहर के लोगों से आत्मिक व्यवहार करना सीखते हैं। उनके साथ तालमेल बैठाना, बातचीत करना, शेयर करना, हारना-जीतना और छोटे-मोटे विवाद को निपटाना भी बच्चे दोस्तों के संग खेलने के दौरान ही सीखते हैं। ये सब बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी होता है।

प्यार से समझाएं: अकसर बच्चे खेलते-खेलते आपस में झगड़ भी पड़ते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चे को दोस्त और दोस्ती के महत्व को प्यार से समझाना चाहिए, उनके बीच फिर से मेल कराने का प्रयास करना चाहिए। पुरानी बातों को याद दिलाकर अपने बच्चे के उस दोस्त की अच्छाइयों को बताना चाहिए। भूलकर भी बच्चों के आपसी विवाद में उनके पैरेंट्स से शिकायत नहीं करनी चाहिए और ना ही उनके घर झगड़ने जाना चाहिए।

मदद करना भी सिखाएं: अगर आपका बच्चा आपको बताता है कि उसका कोई दोस्त कई दिनों से स्कूल नहीं आ रहा है तो पता करने की कोशिश कीजिए कि क्या बात है? हो सकता है वो बीमार हो या उसके घर में कोई परेशानी आ गई हो। संभव हो तो अपने बच्चे के साथ उसके घर जाइए। अगर वो बीमार है तो इसका मतलब है स्कूल में पढ़ाए जाने वाले उसके चैप्टर छूट रहे होंगे। ऐसे में आप अपने बच्चे को प्रेरित करिए कि ठीक होने पर कोर्स पूरा करने में वह अपने दोस्त की जरूर मदद करे। इससे बच्चा समझेगा कि संकट के समय अपने दोस्तों की हर संभव मदद करनी चाहिए।

जब मौका हो फ्रेंडशिप-डे का तो आप अपनी सबसे प्यारी सहेली को कुछ यूनिक और स्पेशल गिफ्ट जरूर देना चाहेंगी। इस बार कुछ ऐसा दें, जो स्टाइलिश हो और आपकी फ्रेंड को स्पेशल भी फील कराए। जानिए, गिफ्ट के कुछ ऐसे ही यूनिक आइडियाज।

बेस्ट फ्रेंड को दें स्पेशल गिफ्ट

आइडिया
श्वेता आयंगर

उपहार हमारी भावनाओं की अभिव्यक्ति का माध्यम होता है। कई मौकों पर हम उपहार के जरिए ही अपनी भावनाओं को प्रकट कर पाते हैं। तो फिर आने वाले फ्रेंडशिप-डे पर अपनी बेस्ट फ्रेंड से दोस्ती के अनमोल रिश्ते को और भी मजबूत बनाने के लिए आप कुछ खास उपहार देकर इस दिन को यादगार बना सकती हैं। जरूरी नहीं आपका गिफ्ट बहुत कीमती हो, लेकिन उसमें आपकी दोस्ती की फीलिंग झलकनी चाहिए।

संजोकर दें खूबसूरत यादें: आप अपनी फ्रेंडशिप पीरियड की यादें जैसे बचपन, स्कूल, कॉलेज, साथ में बिताए पलों से जुड़ी तस्वीरें लेकर उनका सुंदर-सा कोलाज बनाकर या वीडियोज बनाकर अपनी फ्रेंड को तोहफे के रूप में दे सकती हैं। ये यादें आपकी सहेली के लिए बेहद खास होंगी। इसके अलावा पर्सनलाइज्ड फोटो क्लॉक, डिजिटल फोटो फ्रेम, मेमोरी बुक या पिक्टोरियल मग आदि भी दे सकती हैं। हालांकि ये काफी पॉपुलर हैं लेकिन आपकी फ्रेंड को स्पेशल फील कराएंगे।

हुनर से सजा दें गिफ्ट: अगर आप थोड़ी क्रिएटिव हैं तो आप अपने हाथों से अपनी सहेली के लिए कार्ड, ब्यूटीफुल बैंड्स, रेजिन आर्ट की-चेन या कोस्टर आदि बनाकर उन्हें दे सकती हैं या अगर आप कुकिंग में एक्सपर्ट हैं तो उसकी पसंद की कोई डिश अपने हाथों से बनाकर खिला सकती हैं। अगर आपको कढ़ाई-बुनाई अच्छी तरह आती है, तो प्यारा सा स्टॉल, स्कार्फ, एक रूमाल का सेट (जिस पर दोस्त के नाम का पहला अक्षर उकेरा हो) भी डिजाइन करके दे सकती हैं। माना यह काफी पुराने तरीके हैं, लेकिन आज भी पसंद किए जाते हैं। क्योंकि इस तरह के तोहफे आपकी दोस्ती के रिश्ते को और प्यारा-अटूट बना देंगे।

दे सकती हैं एसेसरीज: फ्रेंडशिप-डे पर अपने फ्रेंड को गिफ्ट में एसेसरीज देना भी अच्छा ऑप्शन है। आप अपनी बेस्ट फ्रेंड को कुछ अट्रैक्टिव-स्टाइलिश एसेसरीज गिफ्ट में देना चाहती हैं तो आप कुछ अलग तरह के एसेसरीज को चूज करें। इसमें आप फ्रेंडशिप बैंड्स, ब्रेसलेट, ईयर रिंग्स, लॉकेट, पेंडेंट, बेल्ट, पर्स, बैग्स, हेयर एसेसरीज आदि गिफ्ट के तौर पर दे सकती हैं। ये आजकल स्टाइल स्टेटमेंट भी माने जा रहे हैं। इन्हें आपके फ्रेंड्स डेली यूज से लेकर पार्टी जैसे ऑकेजन में भी आसानी से कैरी कर सकते हैं। वहीं इनमें खास बात यह भी है कि इन एसेसरीज की डिजाइन को आप अपने दोस्त की पसंद के अनुसार भी कस्टमाइज करवा सकती हैं। यकीन मानिए, इस तरह के तोहफे आपके फ्रेंड को बहुत पसंद आएंगे।

प्रेम भरी पाती: आपके बेस्ट फ्रेंड के लिए सबसे अच्छा उपहार यह भी हो सकता है कि आप उसके लिए अपने मन की बात, कविता, फ्रेंडशिप से जुड़ी यादें, सब कुछ एक लैटर में लिखकर दे सकती हैं। आजकल मार्केट में कई तरह के खूबसूरत वुडेन लेटर होल्डर भी मिलते हैं। जिस पर नक्काशी किए हुए स्टैंड में एक खाली लैटरनुमा शीट होती है। यह खुशबूदार होता है। इस पर आप अपने दोस्त को संदेश लिखकर दे सकती हैं। इसके अलावा प्यारे बॉक्स भी आते हैं, जिसमें आप लैटर रखकर अपने फ्रेंड को दे सकती हैं। इसे देखकर आपके दोस्त के चेहरे पर मुस्कान आ जाएगी। मोबाइल और इंटरनेट के इस युग में आपका दिया इस प्रकार का प्यारा और भावनाओं से भरा तोहफा यकीनन आपके दोस्त का दिल छू लेगा।

(एसेसरीज एक्सपर्ट राही महेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

प्यारे दोस्तों के लिए अट्रैक्टिव फ्रेंडशिप बैंड्स

ट्रेंड
श्रुति

बदलते ट्रेंड के साथ फ्रेंडशिप बैंड्स भी बदलते जा रहे हैं। अब इन बैंड्स में कई लेटेस्ट वैरायटीज भी अवेलेबल हैं, जो काफी अट्रैक्टिव लगती हैं। आप इनमें से कोई भी अपने प्यारे फ्रेंड के लिए चुन सकती हैं। मार्केट में खूबसूरत फ्रेंडशिप बैंड्स की ढेरों वैरायटी देखने को मिल रही हैं। इनमें सिंपल से लेकर डिजाइनर लुक तक की बड़ी रेंज मौजूद हैं। इन्हें फ्रेंडशिप के अलावा नॉर्मल डेज में भी बांधा जा सकता है।

थ्रेड बैंड्स: सबसे क्लासिक और इमोशनल टच वाला बैंड माना जाता हैं थ्रेड फ्रेंडशिप बैंड। थ्रेड वाले क्रोशिए के ब्रांडेड फ्रेंडशिप बैंड्स आउट ऑफ फैशन नहीं होते। थ्रेड्स को अलग-अलग रंगों में नॉट करके ब्रेडेड स्टाइल दी जाती हैं। इनमें आपको ढेरों कलर और डिजाइन की वैरायटी मिल जाएगी। वैसे आजकल मल्टीकलर थ्रेड बैंड्स, सिंगल कलर क्लासिक स्टाइल, ट्राइबल थ्रेड बैंड्स काफी ट्रेंड में हैं।

चार्म ब्रेसलेट स्टाइल बैंड्स: चार्म बैंड्स युवा महिलाओं और कॉलेज गोइंग गर्ल्स के बीच बहुत ज्यादा पॉपुलर हैं। चार्म बैंड्स एक तरह के फ्रेंडशिप ब्रेसलेट होते हैं, जिनमें छोटे-छोटे मेटल, बीड या एक्रेलिक आइकन या फिगर लटकाए जाते हैं जैसे म्यूजिक नोटबुक, बटरफ्लाई मून, कॉफी कप, एनिमल, स्टार, कोट्स, एविल आई, लॉक-की, हार्ट या इंस्पायरिंग वर्ड आदि। इन्हें लकी चार्म माना जाता है। हर चार्म का कोई न कोई मतलब होता हैं। इन्हें एथनिक और इंडो वेस्टर्न दोनों स्टाइल की ड्रेस के साथ मैच किया जा सकता हैं। ये बैंड्स, लेयर्ड चेन या सिल्वर कंगन के साथ भी अच्छे लगते हैं। इस तरह के बैंड्स में, इनिशियल और मल्टी लेयर चार्म बैंड्स काफी ट्रेंड में हैं। इसमें एक नहीं बल्कि चार-पांच चार्म फिगर लगे होते हैं, जो आपको अलग लुक देंगे।

डिजिटल फ्रेंडशिप बैंड्स: ये सबसे अलग और इनोवेटिव फ्रेंडशिप बैंड्स हैं, जो आजकल काफी छाए हुए हैं। इस तरह के बैंड्स आप अपने फ्रेंड को दे सकती हैं। ये बैंड्स दिखने में बेहद स्टाइलिश लगते हैं। ये ऐसे बैंड होते हैं, जिसमें एक छोटा क्यू आर कोड प्रिंट या एम्बेडेड किया गया होता है। उस क्यू आर कोड को स्कैन किया जाता है तो वह आपकी ओर से रेडी किया गया कोई मैसेज, फोटो, वीडियो क्लिप, लिंक को खोलता है। ये बैंड्स आमतौर पर सिलिकॉन, लेदर या वाटरप्रूफ फैब्रिक के बने होते हैं। इन पर क्यूआर कोड को आर्ट की तरह डिजाइन किया जाता है।

(एसेसरीज एक्सपर्ट स्मिता महेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

जन्म के बाद नवजात शिशु को पर्याप्त पोषण मिले, इसके लिए जरूरी है कि मां की डाइट भी न्यूट्रिशस हो। वर्ल्ड ब्रेस्ट फीडिंग वीक (1-7 अगस्त) के मौके पर आपको दे रहे हैं यूजफुल सजेशंस।

ब्रेस्ट फीडिंग के दौरान ऐसी हो मां की डाइट

डाइट सजेशन
ललिता गोयल

बच्चे को जन्म देने के बाद हर मां चाहती है कि उसका शिशु हमेशा स्वस्थ रहे। इसके लिए शुरुआत के कुछ महीने मां का दूध सबसे अहम होता है। मां का दूध किसी भी नवजात शिशु की पहली खुराक होता है, जो उसे पोषण देने के अलावा उसकी इम्यूनिटी को मजबूत करता है और उसे बीमारियों से बचाता है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि ब्रेस्ट फीडिंग के दौरान मां का खान-पान भी शिशु की सेहत से जुड़ा होता है? मां जैसी डाइट लेगी, शिशु को वैसा ही पोषण मिलेगा। ऐसे में जरूरी है कि स्तनपान कराने वाली मांओं की खुराक ऐसी होनी चाहिए, जो मिल्क सप्लाई को बढ़ाए और मां-बच्चे दोनों की पोषक जरूरतों को पूरा कर सके। आइए जानते हैं लैक्टेटिंग मदर का डाइट प्लान कैसा होना चाहिए?

इन्हें करें डाइट में शामिल: ब्रेस्टफीडिंग के दौरान मां को प्रोटीन से भरपूर खुराक लेनी चाहिए। यह मांस-पेशियों को मजबूती प्रदान करता है।

- ब्रेकफास्ट में मूंग दाल, पनीर सैंडविच या ओटमील ले सकती हैं। ओटमील, मिल्क सप्लाई बढ़ाने में मददगार होता है। साथ में एक मुट्ठी भिगोया हुआ मेवा और एक गिलास गुनगुना दूध ले सकती हैं।
- लंच और डिनर में लैक्टेटिंग मदर रागी, ज्वार और गेहूं के आटे से बनी रोटी, हरी सब्जियां जैसे पालक, बथुआ, सरसों का साग, मेथी का साग आदि खा सकती हैं। इससे उन्हें एनर्जी और फाइबर मिलेगा। हरी पत्तेदार सब्जियां आयरन, कैल्शियम, विटामिन सी का अच्छा स्रोत होती हैं। इसके अलावा वे दही और चिया सीड्स भी ले सकती हैं।
- शाम के समय स्तनपान कराने वाली मांएं केला, संतरा, नाशपाती, आड़ू, सेब, खरबूजा, चीकू, आम, एवोकाडो आदि फल खा सकती हैं। ये फल ब्रेस्ट फीडिंग मदर के लिए बहुत सेहतमंद होते हैं।
- स्तनपान कराने वाली मांओं को अपनी डाइट में आयरन रिच फूड्स लेने चाहिए। इसके लिए आयरन के कुछ सामान्य स्रोत जैसे दालें, फलियां, हरी पत्तेदार सब्जियां, तरबूज, अंडा और रेड मीट इत्यादि शामिल किए जा सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान: फीड कराने वाली मांओं को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- दिन में तकरीबन तीन बार पोषक आहार लें और नाश्ते को कभी स्किप न करें। इसके अलावा दो से तीन बार हल्की खुराक भी लेनी चाहिए।
- ज्यादा शुगर और फैट वाले आहार को कम मात्रा में लें।
- आलू के चिप्स, चॉकलेट, केक और सॉफ्ट ड्रिंक्स जैसे हाई फैट और शुगर वाली चीजों को ना लें या कम खाएं।
- अल्कोहल और धूम्रपान से बचें।
- स्तनपान के दौरान डाइटिंग करने से बचें।
- दूध और उससे बने प्रोडक्ट्स जैसे दही, पनीर को रोजाना की डाइट में शामिल करें। बादाम, अखरोट, काजू जैसे सूखे मेवे, मौसमी फल और हरी सब्जियां भी जरूर लें।
- शरीर को हाइड्रेट रखें, इसके लिए दिनभर में कम से कम 7-8 गिलास पानी पिएं। साथ ही, नारियल पानी, नीबू पानी जैसे हेल्दी ड्रिंक्स लें।
- इस दौरान ओमेगा-3 युक्त फूड्स जैसे अलसी के बीज या फिश का सेवन भी फायदेमंद रहता है।

(डाइटीशियन शीला सहरावत से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

डीसी ने सुनीं जन समस्याएं

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आयोजित समाधान शिविर सरकार और आमजन के बीच संवाद का मजबूत माध्यम बन गए हैं। जिससे लोगों का प्रशासन पर विश्वास बढ़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का समयबद्ध निपटान हो और कोई भी मामला लंबित नहीं रहे।

डीसी ने निषेधाज्ञा लागू के जारी किए आदेश

जींद। हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा के शांतिपूर्ण निष्पक्ष एवं व्यवस्थित संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त एवं जिला मजिस्ट्रेट मोहम्मद इमरान रजा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जिले भर में निषेधाज्ञा लागू करने के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश 30 जुलाई और 31 जुलाई को आयोजित होने वाली परीक्षाओं के दौरान प्रभावी रहेगा।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जींद। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जींद में आज भारत की बंजर भूमि को हराभरा बनाना विषय पर एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बंजर और उपेक्षित भूमि को हरित क्षेत्र में परिवर्तित कर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में फलदार और छायादार पौधों का रोपण कर हरियाली बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए।

संदीप रखरखाव न्यायाधिकरण कमेटी में गैर सरकारी सदस्य बने

उचाना। हरियाणा सरकार द्वारा उपमंडल स्तर पर बनाई गई रखरखाव न्यायाधिकरण कमेटी में गैर सरकारी सदस्य भाजपा कसूहन मंडल के संयोजक संदीप चहल बड़ौदा को बनाया गया। इस कमेटी के चेयरमैन एसडीएम है तो संदीप चहल के अलावा एडवोकेट को भी कमेटी का सदस्य बनाया है। संदीप चहल सीएम नायब सिंह सैनी, प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली एवं विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री का आभार प्रकट किया।

मनरेगा मजदूरों के साथ मनाया तीज उत्सव

उचाना। मनरेगा मजदूरों के लिए तीज उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया। भाजपा उचाना मंडल महामंत्री रमेश राणा की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम सभी ने एक साथ मिलकर इस उत्सव को मनाया। राणा ने कहा कि हर पर्व को सभी के साथ मिल कर मनाना चाहिए। इस तरह के आयोजन समय-समय पर वो करवाते रहते है। तीज के पर्व के बाद ही त्योहारों की शुरूआत होती है।

इंद्र देवता को प्रसन्न करने के लिए हवन का आयोजन

उचाना। कसूहन गांव में सभी ग्रामीणों द्वारा संयुक्त रूप से बाबा हरिपूरी मंदिर परिसर में भंडारे एवं हवन का आयोजन किया। इंद्र देवता को प्रसन्न करने एवं क्षेत्र की सुख.समृद्धि की कामना को लेकर इसका आयोजन हुआ। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री भंडारे में पहुंचे। यहां ग्रामीणों के साथ भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। हर साल ग्रामीण संयुक्त रूप से मिलकर इस तरह का आयोजन करते है।

एक पेड़ मां के नाम विषय पर हुई भाषण प्रतियोगिता

जींद। नेहरू युवा केंद्र ;मेरा युवा भारतद्ध के द्वारा गांव रामराय में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भाषण प्रतियोगिता व पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया। इसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक मनीष जयहिंद ने की। कार्यक्रम में कई छात्राओं ने एक पेड़ मां के नाम विषय पर भाषण दिया। इसमें प्रथम स्थान पर अफ्रीका द्वितीय पर सिखा व तीसरा स्थान उर्वशी ने प्राप्त किया।

नशा ने करने बारे किया जागरूक

कैथल। पुलिस द्वारा एसपी आस्था मोदी के कुशल नेतृत्व में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत टीम स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। जागरूकता कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने नशा मुक्त रहने की शपथ ली और पुलिस टीम का आभार जताया।

डिप्टी स्पीकर ने जिलास्तरीय तीज महोत्सव में बतौर मुख्यअतिथि शिरकत कर कार्यक्रम को किया संबोधित

हरियाली तीज का पर्व प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीकः मिड्ढा

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को कोथली देकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि यह पर्व न केवल प्रकृति से हमारे जुड़ाव का प्रतीक है बल्कि ये महिलाओं की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और उनके सामाजिक सशक्तिकरण का उत्सव भी है। आज का दिन हमारे लिए विशेष है। क्योंकि हम यहां महिला सांस्कृतिक केंद्रों के उद्घाटन के साक्षी बन रहे हैं। ये पहल न केवल महिलाओं को उनके कौशल, कला और संस्कृति को प्रकट करने का मंच देगी बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा सोमवार को स्थानीय चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के सभागार में मनाए जिलास्तरीय तीज महोत्सव में बतौर मुख्यअतिथि शिरकत कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले डिप्टी स्पीकर ने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को तीज पर्व के अवसर कोथली देकर उनका उत्साह वर्धन किया। उन्होंने कहा कि हरियाली तीज का त्योहार महिलाओं की आस्था सौंदर्य और सामूहिकता का प्रतीक है। झूले लोकगीत, मेंहदी और पारंपरिक वेशभूषा इस पर्व को जीवंत बनाते हैं। ये त्योहार हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों की याद दिलाता है और इन सांस्कृतिक केंद्रों का उद्घाटन उस विरासत को आगे बढ़ाने का माध्यम बनेगा। सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान और उनके विकास के लिए अनेकों योजनाओं को अमलीजामा पहनाया है। जिनमें उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर 500 रुपये में उपलब्ध करवाया जा रहा है। कहा कि जींद सहित पूरे हरियाणा में एक हजार महिला सांस्कृतिक केन्द्र खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके तहत जींद जिला में प्रथम चरण के 38 केंद्रों का निर्माण किया गया है। ये उद्घाटन न केवल केंद्रों की स्थापना है बल्कि महिलाओं को सशक्तए आत्मनिर्भर व सम्मानित बनाने की दिशा में उठाया गया एक प्रभावी कदम है। इसलिए हम सब मिलकर नारी शक्ति को एक नई उड़ान दें, इन केंद्रों को जीवंत करें और हरियाणा को सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से आगे ले चले। महिला सशक्तिकरण केवल भाषणों से नही बल्कि ठोस कदमों से होता है। ऐसे सांस्कृतिक केंद्र महिलाओं को नेतृत्व, रचनात्मकता और सामुदायिक भागीदारी के नए अवसर देंगे। राज्य सरकार और प्रशासन की ओर से हम ये सुनिश्चित करेंगे कि इन केंद्रों को सभी आवश्यक संसाधन और समर्थन प्राप्त हो। उन्होंने आयोजकों को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई देते कार्यक्रम उपस्थित सभी बहनों को तीज पर्व की शुभकामनाएं देते सभी को मिलकर नारी शक्ति को सशक्त करने का संकल्प भी दिलवाया। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कार्यक्रम के दौरान जिला में अच्छा कार्य करने वाले स्वयं सहायता समूहों को सम्मानित भी किया। जिसमें बाबा श्याम स्वयं सहायता समुह को जिला में प्रथम, दयागिर स्वयं सहायता समूह को द्वितीय और राधे-राधे समूह को तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया। इसी प्रकार क्लस्टर स्तर के फेडरेशन को फंड मुहैया करवाया गया है। बेस्ट स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सम्मानित भी किया गया।

जींद। सहायता राशि के चैक वितरित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा।

जींद। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते कलाकार। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डीसी मोहम्मद इमरान रजा व उनकी धर्मपत्नी डा. सदफ, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार लवलीन, जिला परिषद सीईओ अनिल दून, पंचायतराज विभाग के कार्यकारी अभियंता पोषण कन्याल, डीपीओ सीमा रोहिल्ला, सीडीपीओ सुलोचना कुंडू व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सांस्कृतिक केंद्रों का उद्घाटन

जिला स्तरीय हरियाली तीज कार्यक्रम में डिप्टी स्पीकर कृष्ण लाल ने जिला के 34 महिला सांस्कृतिक केंद्रों का उद्घाटन किया। इन केंद्रों को स्थापित करने में करीब अढ़ाई करोड़ रुपये की लागत आई है। इस सांस्कृतिक केंद्रों में महिलाएं धार्मिक भजन कीर्तन आदि गतिविधियां कर सकेंगी।

तीज का त्योहार समृद्धि का उत्सव

राजौंद। शहर के कैथल रोड पर स्थित ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र में तीज का त्योहार धूम धाम से मनाया गया। इस दौरान कार्यक्रम में असंध सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी उषा दीदी और उत्तराखण्ड श्रीनगर सेवाकेंद्र प्रभारी आदरणीय राजयोगिनी नीलम दीदी जी विशेष रुप से पधारी। नीलम दीदी ने सबको ईश्वरीय महावाक्यो के साथ साथ सेवाएं आगे कैसे बढ़ानी है और अपने संबंधों को मधुर मजबूत बनाकर सदा हल्का रहने के कुछ गुर सिखाए। इस दौरान हरियाली तीज की शुभकामनाए दी व उषा दीदी ने तीज के त्यौहार के पर्व बारे कहा कि तीज का त्योहार समृद्धि और संपन्नता का उत्सव है।

कलाकारों ने सामन की रुत आई, झूलन जांगी हे मां मेरी बाग में गीतों पर नृत्य कर मोहा मन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा कला परिषद रोहतक मंडल एवं सरस्वती कला मंच जुलाना जींद के संयुक्त तत्वावधान में सोम तीर्थ पांडु पिंडारा में आयोजित दो दिवसीय नायाब तीज उत्सव कार्यक्रम के दूसरे दिन कलाकारों ने हरियाणवी लोक नृत्य की मनमोहन प्रस्तुतियां देकर समापन किया। सरस्वती कला मंच के कलाकारों ने हरियाणवी लोक नृत्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। इस मौके पर हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृषण मिड्ढा बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की वहीं भाजपा के युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बंटी दालमवाला ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। सरस्वती कला मंच के कलाकारों ने सामन की रुत आई, झूलन जांगी हे मां मेरी बाग में, घूमर, खोडिय़ा नृत्यों की प्रस्तुति देकर दर्शको पर अमिट छाप छोड़ी व दर्शको की खूब वाहवाही लूटी। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्ण मिड्ढा ने अपने संबोधन में कहा कि तीज उत्सव में आए लोक कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने यह कर दिखाया है कि हरियाणा की लोक कला संस्कृति महान है। हमारे देश के तीज त्यौहार एक अलग पहचान रखते हैं। जिन कलाकारों ने हरियाणा की विरासत को जिंदा रखने में लोक कला संस्कृति के माध्यम से जो अपनी विद्या की प्रस्तुति के माध्यम से युवा पीढ़ी को जागरूक किया है।

पदक विजेता को किया सम्मानित

पूंडरी। राज्य स्तरीय सब-जूनियर पुरूष हॉकी चैम्पियनशीप का आयोजन नरवाना में हुआ, जिसमें डीएवी पब्लिक स्कूल के बारहवीं के छात्र नैतिक ने खेलते हुए हॉकी टीम को प्रथम व दूसरे स्थान पर पहुंचाया। उसकी इस उपलब्धि पर स्कूल की प्राचार्या साधना बख्शी ने उसे सम्मानित किया। यह प्रतियोगिता नरवाना में आयाजित की गई थी। इसमें राज्यभर से हॉकी टीमों ने भाग लिया था। अपनी टीम के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करते नैतिक की टीम ने आठवीं सब-जूनियर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान और इसी क्रम में अठाहरवीं सब-जूनियर प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया। नैतिक इससे पहले भी हॉकी टीम के साथ मिलकर बेहतर प्रदर्शन करता रहा है और राज्य स्तर पर पदक हासिल किए हैं। उनकी इस उपलब्धि पर प्राचार्या सहित शारीरिक प्राध्यापक सुशील कुमार, दिलबाग, कोमल व अमित ने भी नैतिक की हौसला-अफजाई की।

पूंडरी। छात्र नैतिक को सम्मानित करते प्राचार्या साधना बख्शी।

कैथल। डीएसपी सुशील प्रकाश पुलिस कर्मचारियों के साथ

पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

कैथल। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और हरियाली को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से एसपी आस्था मोदी के निर्देशानुसार पुलिस लाइन कैथल परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान का नेतृत्व डीएसपी ट्रैफिक सुशील प्रकाश ने किया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के कर्मचारियों के साथ-साथ होमगार्ड जवानों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर फलदार, छायादार तथा विभिन्न प्रकार के फूलों के पौधे लगाए गए। डीएसपी सुशील प्रकाश ने बताया कि पौधे हमारे जीवन का आधार हैं, जो न केवल हमें शुद्ध हवा प्रदान करते हैं बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना समय की आवश्यकता है।

प्रकृति हमारी मां के समानः कथूरिया

जींद। यदुवंशी शिक्षा निकेतन बीबीपुर में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विशेष गतिविधियां आयोजित की गई। जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों को विशेष रूप से ध्यान में रखते उन्हें जूते पहनाए गए और स्वच्छता के महत्व को बताया गया। शिक्षकों ने बच्चों को पेड़, पौधों, जल संरक्षण, वायु की शुद्धता और प्रकृति से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां रोचक ढंग से दी। बच्चों को यह भी बताया गया कि वे छोटे.छोटे प्रयासों से पर्यावरण को बचाने में कैसे योगदान दे सकते हैं। प्लास्टिक का कम उपयोग, पौधे लगाना, पानी की बचत आदि। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य जतिन कथूरिया ने छात्रों को संबोधित करते एक प्रेरणादायक भाषण दिया। कहा कि प्रकृति हमारी मां के समान है। जैसे हम अपनी मां का आदर करते हैं, ठीक उसी तरह हमें प्रकृति का भी सम्मान करना चाहिए।

जींद। स्कूल में पौधारोपण के लिए तैयार बच्चे। फोटो :हरिभूमि

नरवाना। पौधारोपण करते हुए। फोटो :हरिभूमि

पौधरोपण किया

नरवाना। आज विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के उपलक्ष में कालेज में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पौधारोपण कियाजयपाल सिंह ने बताया कि संपूर्ण पृथ्वी ग्रह को वन्य जीव जंतु एवं प्राणी जगत के लिए हरा भरा बनाना हम सब का नैतिक और मर्यादित उत्तरदायित्व है। इस वर्ष से प्रकृति दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों और पौधों को जोडना और वन्य जीव संरक्षण में डिजिटल नवाचार की खोज है। बिगड़ते पर्यावरण के कारण पर्यावरण प्रदूषण बढने से अनेकों प्रजातियों के जीव जंतुओं पर गहरा संकट मंडरा रहा है। इसलिए पृथ्वी को हरा भरा बनाने के लिए भारत के तीज त्योहारों के उपलक्ष में ऋषि मुनियों द्वारा पौधारोपण एवं संरक्षण करने का विधान वैदिक संस्कृति के अनुरूप रहा है। पर्यावरण संरक्षण में सभी प्रकार के प्रजातियों का विशेष योगदान है। इसमें औषधिय सजावटी छायादार फलदार पेड़ .पौधों के साथ घासफूसए पशु पक्षी जीव जंतु एवं अन्य प्रजातियों के प्राणियों संरक्षण के लिए आम जनमानस को जागृति के लिए प्रेरित करना हम सब का धार्मिक कर्तव्य भी है।

उचाना। कसूहन में पौधरोपण करते विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

अधिक से अधिक पौधे लगाएं

उचाना। कसूहन गांव में पर्यावरण को बचाने का संदेश देते हुए 76वें वन महोत्सव पर विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री द्वारा पौधरोपण किया। अत्री ने कहा कि हर साल वन महोत्सव मनाया जाता है। यह श्रावण मास का महीना है जो प्रकृति के फलने फूलने का महीना है। प्रदेश में पीएम नरेंद्र मोदी के विजन एक पेड़ मां के नाम के तहत दो करोड़ 10 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया। हर नागरिक का दायित्व बनता है कि यदि हमें स्वच्छ वायु और वातावरण चाहिए तो अधिक से अधिक पौधे लगाए। आज हमें कटाई की तरफ कम रोपण की तरफ अधिक ध्यान देने की जरूरत है ताकि प्रकृति का संतुलन बना रहे। श्रावण मास में बारिश होती है। ऐसे में पौधरोपण करने का ये सबसे बेहतर समय होता है। सामाजिक संगठनों, ग्राम पंचायतों, युवा संगठनों को चाहिए कि वो अपने-अपने गांव में अधिक से अधिक पौधरोपण करने के साथ उनकी देखभाल करें। पत्रकार वार्ता में कांग्रेस को आडे हाथों लेते कहा कि राज्य के विधानसभा गठित नौ माह बीत गए लेकिन कांग्रेस अपना पक्ष का नेता नहीं चुन सकी जबकि इसके लिए राहुल गांधी चंडीगढ़ भी आए लेकिन आज तक समाधान नही हुआ।

धूमधाम से मनाया हरियाली तीज पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जयन्ती देवी मन्दिर सिद्धपीठ में धूमधाम से हरियाली तीज का पावन पवित्र पर्व धूमधाम से मनाया गया। तीज महोत्सव पर महिला श्रद्धालुओं द्वारा भजन, गीत के साथ साथ झूले झूल कर खुशी का इजहार किया गया। इस उपलक्ष पर मंदिर में प्रसाद की सेवा भी की गई। कार्यक्रम में मौजूद सीमा बैनीवाल ने कहा कि सामण का महीना हराभरा होता है। आई तीज और बो दी बीज। इसके बाद त्योहारों का सीजन शुरू हो जाता है। इसलिए आज सभी ने जयंती देवी मंदिर में तीज त्योहार धूमधाम से मनाया है। माता के मंदिर में सभी ने झूले डाल कर झूला झूला है। निशु ने कहा कि तीज का त्योहार हरियाणा का हरियाली का त्योहार है। खुशहाली को लेकर तीज का त्योहार मनाते हैं। इस त्योहार से ही सारे त्योहारों की शुरूआत होती है। हमने डांस भी किया और झूला भी झूला। भंडारे का भी आयोजन किया गया। हरियाली तीज बहुत अच्छे तरीके से मनाई जा रही है। रीटा शर्मा ने कहा कि हरियाली तीज पर सभी महिलाएं इक_ी होकर मना रही हैं। माता रानी का आर्शीवाद सभी पर बना रहा है। सबको माता रानी खुशियां दे। जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने कहा कि हरियाणवी संस्कृति में तीज के त्योहार का अपना महत्व है। यह खुशी का त्योहार है। यह हरियाली का पर्व है।

जींद। जयंती देवी मंदिर में झूला झूलते महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

उचाना। उचाना कलां के प्राचीन शिव मंदिर में पूजा .अर्चना करते श्रद्धालु।

शिव की पूजा का महत्व बताया

उचाना। सावन माह के तीसरे सोमवार को उचाना कलां के प्राचीन शिव पातालेश्वर शक्ति पीठ पहुंच कर श्रद्धालुओं ने पूजा.अर्चना की। सावन माह में शिव की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। 11 जुलाई से शुरू सावन माह से ही मंदिर में श्रद्धालु हर रोज पूजा.अर्चना को आते है लेकिन सोमवार को आम दिनों की अपेक्षा श्रद्धालुओं की भीड़ अधिक होती है। यहां पर खीर का प्रसाद समाज सेवी देवी प्रसन्न छात्तर, हिमांशु छात्तर द्वारा श्रद्धालुओं को वितरित किया। मंदिर पुजारी राजू शर्मा ने कहा कि इस दुनिया में शिव से बड़ा कोई सत्य नहीं है। देवों के देव महादेव सब संकटों को दूर करते है। शिव की पूजा सच्चे मन से करने से सभी मनोकामना पूर्ण होती है। सावन माह भगवान शिव को सबसे प्रिय होता है। इस माह में सोमवार की पूजा विशेष फलदायी होती है।

रक्षा बंधन पर्व नौ अगस्त को, समाप्त होगा सावन माह : नवीन शास्त्री

सावन के तीसरे सोमवार को भी श्रद्धालुओं की शिवालयों में उमड़ी भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सावन माह के तीसरे सोमवार को भी अल सुबह ही श्रद्धालु शहर के ऐतिहासिक जयंती देवी मंदिर, प्राचीन भूतेश्वर मंदिर, हरि कैलाश मंदिर, बनखंड महादेव मंदिर, ठिठारी महादेव मंदिर सहित अन्य मंदिरों में पहुंचे और जल से भगवान शंकर का जलाभिषेक किया। शिवभक्तों को सावन माह अधिक प्रिय है। जिसके चलते जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की सुबह से ही मंदिरों के बाहर लाइनें भी लगी। इसके लिए मंदिर प्रशासन द्वारा पहले ही तैयारी की गई थी। पूरा दिन बम-बम भोले के जयकारों से मंदिर परिसर गूंजते रहे। जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि सावन माह भगवान शिव का अतिप्रिय माह है। यह माह भगवान शिव की उपासना का माह होता है। ऐसी मान्यता है कि सावन सोमवार व्रतों को रखने से सभी तरह की मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। मंदिर में सुबह से ही शिव भक्त आ जाते हैं। शिवभक्तों के लिए इस बार सावन माह बेहद खास भी है। अब सावन माह का केवल एक ही सोमवार शेष रह गया है। जोकि चार अगस्त को है। वहीं नौ अगस्त को राखी का पर्व है और उसी दिन सावन माह भी संपन्न होगा। नौ अगस्त को दिन में 1:23 बजे तक रक्षाबंधन का कार्य किया जाएगा। इस दिन आयुष्मान एवं सौभाग्य योग एवं स्थिर योगा व्याप्त रहेगा। नौ अगस्त के दिन राखी बांधने का शुभ मुहूर्त सुबह 5:39 बजे से दोपहर 1:24 बजे तक रहेगा।

बोली सूचना

शहीद केहर सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढांड जिला कैथल में तीन नकारा कमरों को गिराना और मलबा उठाने हेतु बोली दिनांक 11 अगस्त 2025 दिन सोमवार को प्रातः 10:00 बजे विद्यालय प्रांगण में करवाई जाएगी। इच्छुक बोलीदाता ₹20000 की धरोहर राशि जमा करवाकर बोली में भाग ले सकता है। बोली की अन्य शर्तें मौके पर सुना दी जाएंगी।

-- प्रधानाचार्य

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल सोंगल के नकारा हो चुके एक कमरा व एक रसोई घर की निलामी दिनांक 01 अगस्त 2025 को सुबह 10 बजे विद्यालय के प्रांगण में करवाई जाएगी। बोली से पहले 10 हजार रुपए जमानत राशि जमा करवानी होगी। बोली के बाकी नियम व शर्तें मौके पर बता दी जाएंगी।

मुख्य शिक्षक, रामेश्वर दास — G M S P S एस एम सी
राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल सोंगल। — प्रधान श्रीमती रीना रानी

खबर संक्षेप

समाधान शिविर में सुनीं गई समस्याएं

नरवाना। एसडीएम जगदीश चंद्र की अध्यक्षता में सोमवार को उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर संपन्न हुआ। स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित इस शिविर में सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे और जनसाधारण की समस्याएं सुनी। एसडीएम जगदीश चंद्र ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी जिला एवं उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं इसी कड़ी में सोमवार को नरवाना में भी उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन हुआ ।

106 युवाओं को मिला जॉब ऑफर लेटर

कैथल। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा जिले के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से डॉ. बीआर अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय कैथल में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इसमें 106 युवाओं को जॉब ऑफर लेटर प्रदान किए गए।
जिला रोजगार अधिकारी ममता कुमारी ने बताया कि मेले के दौरान 123 इच्छुक प्रार्थियों ने नौकरियों के लिए पंजीकरण करवाया व 106 को जॉब ऑफर लेटर प्रदान किए।

जियो फेंसिंग लोकेशन आधरित उपस्थिति को लेकर जताया रोष

स्वास्थ्य कर्मियों व अधिकारियों ने काले बिल्ले लगा किया काम

- अगर मांग को नहीं माना गया तो चार अगस्त को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक कार्य का बहिष्कार भी किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

जींद। रोष जताते हुए चिकित्सक व काले बिल्ले लगा कर रोष जताते हुए स्वास्थ्यकर्मी। फोटो : हरिभूमि

जियो फेंसिंग लोकेशन आधरित उपस्थिति के विरोध में सोमवार को सभी चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मचारी आंदोलन को तेज करते हुए काले बिल्ले लगा कर काम किया। अगर मांग को नही माना गया तो चार अगस्त को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक एक घंटे कार्य का बहिष्कार भी किया जाएगा। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन, स्वास्थ्य विभाग अधिकारी कर्मचारी तालमेल कमेटी, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन, हरियाणा हैल्थ मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन, फार्मेसी एसोसिएशन, हरियाणा सिविल डेंटल सर्विसिज एसोसिएशन सदस्यों ने काले बिल्ले लगा विरोध प्रकट किया और काम किया। एचसीएमएस प्रधान डा. बिजेंद्र ढांडा, डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि जब स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत तमाम अधिकारी एवं कर्मचारी पहले ही बायोमैट्रिक आधारित अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं तो जियो फेंसिंग लोकेशन आधरित उपस्थिति के तहत दर्ज करवाने को कोई औचित्य नही बनता है। उन्होंने इन आदेशों को अव्यवहारिक व गैर कानूनी तथा भारतीय संविधान मे वर्णित निजता के अधिकारों का हनन एवं माननीय उच्चतम न्यायलय के आदेशों का उल्लघन भी बताया। डा. अरविंद, डा. रघुवीर पूनिया, डा. सोनल, नर्सिंग ऑफिसर बाला, सरोज, सुनीता ने कहा कि लाइव लोकेशन आधारित जियो फेंसिंग हाजिरी भारत के संविधान व माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों व टिप्पणी का उल्लंघना तथा कर्मचारी की व्यक्तिगत निजता पर हमला है। उन्होंने बताया कि यह आदेश देकर कुछ अधिकारी द्वारा सरकार व स्वास्थ्य कर्मचारियों के बीच दरार पैदा करके सरकार को बदनाम करने की नाकाम कोशिश की जा रही है। क्योंकि कोरोना जैसी महामारी में जब अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी घरों से बाहर निकलने से बचते थे तब भी स्वास्थ्य विभाग के स्वास्थ्य कर्मी व चिकित्सक अपनी जान पर खेल कर लोगों की जिंदगी बचाने के कार्य कर रहे थे। सरकार ने वर्तमान में लाइव लोकेशन आधारित जियो फेंसिंग हाजिरी के कर्मचारियों की निजता पर हमले जैसे नागवारा आदेश जारी किए हैं जो कि भारत वर्ष के संविधान व माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों व टिप्पणी की उल्लंघना व कर्मचारी की व्यक्तिगत निजता पर हमला है। जियो फेंसिंग लोकेशन आधरित उपस्थिति के आदेशों को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाए। स्वास्थ्य सुपरवाइजर संघ के प्रदेशाध्यक्ष राममेहर वर्मा, हरियाणा सिविल डेंटल सर्विसिज एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष डा. कपिल शर्मा, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन के जिला प्रधान प्रदीप लाठर,हरियाणा हैल्थ मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन के राजेश कालीरमण, फार्मेसी एसोसिएशन के जिला प्रधान मनीराम, नर्सिंग एसोसिएशन की शारदा देवी, हरियाणा रेडियोलोजी आफिसर एसोसिएशन के आजाद सिंह आदि ने कहा कि यदि तीन अगस्त तक जियो फेंसिंग लोकेशन आधरित उपस्थिति दर्ज करने के इस आदेश को निरस्त नही किया गया तो चार अगस्त को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक सभी अस्पताल, स्वास्थ्य केंद्र तथा कार्यालयों में एक घंटे कार्य का बहिष्कार करेंगे और जिला मुख्यालय पर स्थित सिविल सर्जन के कार्यालय पर गेट मीटिंग करके सिविल सर्जन के माध्यम से सरकार को ज्ञापन भी देंगे।

जींद। रूके गली निर्माण को लेकर जानकारी देते हुए वार्ड नंबर एक के लोग।

गली निर्माण को लेकर उखाड़े गए पेवर ब्लॉक

- पेवर ब्लॉक उखाड़ने के बाद नहीं किया गली निर्माण शुरू
- गंदे पानी भरने से वार्ड नंबर एक में प्रजापत मोहल्ले के लोगों का जीना हुआ दूभर

हरिभूमि न्यूज ⏭ उचाना

नगर पालिका के वार्ड नंबर एक के प्रजापत मोहल्ले में करीब तीन महीने पहले गली निर्माण को लेकर पेवर ब्लॉक उखाड़े गए। पेवर ब्लॉक उखाडने के बाद यहां पर गली निर्माण नहीं होने से भरने वाले गंदे पानी से यहां रहने वालों का जीना दूभर हो गया है। नगर पालिका सचिव, नपा चेयरमैन, एसडीएम, विधायक से मिल कर गली निर्माण की गुहार यहां रहने वाले लोग लगा चुके है। सीएम विंडो भी वार्ड के लोगों द्वारा लगाई है। क्योंकि गली निर्माण नहीं होने से नर्क वाला जीवन जीने को मजबूर लोग हो रहे है। यहां सीवरेज ओवर फ्लो होने से गंदा पानी भरने से पूरी गली में कीचड़ हो गया है। यहां रहना लोगों के लिए मुश्किल हो गया है। सोनू, कृष्ण, रतिराम, राजेंद्र, मनोहर ने कहा कि पेवर ब्लॉक उखाडने के बाद गली का निर्माण होना था। तीन महीने के आसपास का समय होने के बाद कोई काम नहीं हो रहा है। नपा सचिव से मिले तो जिस ठेकेदार को गली बनानी है उससे सचिव द्वारा बात की गई। ठेकेदार हर बार कुछ दिन का समय देता है लेकिन गली निर्माण नहीं कर रहा है। अब इसको लेक विधायक से भी लोग मिले है। विधायक ने गली निर्माण का आश्वसन दिया है। सीएम विंडो पर भी शिकायत लोगों द्वारा की है तो एसडीएमए नपा चेयरमैन से लोग मिल चुके है। बार-बार मिलने के बाद कोई समाधान नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि सीवरेज ओवरफ्लो होकर पानी गली में भरने से कीचड़ हो गया है।

जींद। डिप्टी स्पीकर प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपते हुए मिड डे मील वर्कर।

मिड डे मील वर्कर्स ने डिप्टी स्पीकर प्रतिनिधि को सौंपा ज्ञापन, 26 हजार रुपये न्यूनतम वेतन करने की मांग

जींद। मिड डे मील वर्कर्स ने मांगों व समस्याओं के समाधान के लिए विधानसभा व राज्य सरकार के समक्ष आवाज उठाने के लिए मिड डे मील वर्कर्स यूनियन जिला सचिव सुनीता, उपाध्यक्ष पिंकी व सुनीता सोमवार को विधायक एवं डिप्टी स्पीकर के प्रतिनिधि राजन चिल्लाना से मिले और अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा और विधानसभा में अपनी आवाज उठाने का आह्वान किया। ज्ञापन के बाद यूनियन नेताओं व सीटू सह सचिव पवन कुमार ने बताया मिड डे मील वर्कर्स गरीबी और आर्थिक तंगी के हालात झेल रही हैं। इतनी महंगाई में जीवन चलाना बेहद मुश्किल हो रहा है। इन हालात में हरियाणा की मिड डे मील वर्कर्स अपनी लंबित मांगों को लेकर तीन अगस्त को पानीपत में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के दरवाजे पर जोरदार आक्रोश प्रदर्शन करेंगी। उन्होंने मांग की कि 26 हजार रुपये न्यूनतम वेतन दो। वेतन 12 महीने मिले। बकाया वेतन जारी करो। स्कूलों को मर्ज व बंद मत करो। छंटनी न की जाए, छंटनीग्रस्त वर्करों को काम पर लो। रिटायरमेंट उम्र 65 साल हो व तीन लाख रूपए दिए जाएं। वर्दी भत्ता दो हजार रुपये वार्षिक हो। घायल होने पर इलाज व 50 हजार रुपये तथा मृत्यु होने पर आश्रितों को पांच लाख रुपये मुआवजा मिले। मिड डे मील वर्करों को पक्का करो, ईएसआई व पीएफ लागू करो। मिड डे मील योजना 12 वीं कक्षा तक लागू करो। बेगार लेना बंद करो।

लोहचब में कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी का भव्य स्वागत

विकास कार्यों की झड़ी लगाने का किया ऐलान

- गांव की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए लगभग 80 लाख रुपये की लागत से गांव को जोड़ने वाली दो सड़कों का निर्माण कार्य पूरा करवा दिया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नरवाना

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री बेदी। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी का रविवार देर सायं नरवाना के गांव लोहचब में ग्रामीणों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। गांव पहुंचने पर फूलमालाओंए ढोल.नगाड़ों और नारों के साथ ग्रामीणों ने कैबिनेट मंत्री का जोरदार अभिनंदन किया। इस अवसर पर गांववासियों को एक के बाद एक कई बड़ी घोषणाओं का तोहफा मिलाए जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह और उमंग का माहौल बन गया । कैबिनेट मंत्री ने अपने संबोधन कहा कि गांव की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए लगभग 80 लाख रुपये की लागत से गांव को जोडने वाली दो सड़कों का निर्माण कार्य पूरा करवा दिया गया हैए इससे अब गांववासियों को आवागमन में सुविधा होगी और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। इनमें लोहचब से अमरगढ तथा गांव से खरड़वाल तक की दो सडके शामिल हैं। पानी की समस्या हो या शमशान घाट की चारदीवारीए स्टेडियम निर्माण हों या कम्युनिटी सेंटर की जरूरतए हर परियोजना के लिए जितनी भी धनराशि लगेगीए वह सरकार द्वारा तुरंत दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे भी प्राथमिकता के आधार पर गांवों के विकास कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाएं। मंत्री ने ग्राम पंचायत द्वारा रखी मांगों मसलन श्मशान घाट की चारदीवारी व पक्का रास्ताए पेयजल टंकीए मिनी स्टेडियम की चारदीवारीए पंचायत भवन निर्माणए कम्यूनिटी सेंटरए पार्क निर्माणए जिम हाल वाल्मीकि चौपालए लाईब्रेरीए अम्बेडकर भवनए स्कूल का मुख्य द्वारए तालाबों का सौंदर्यीकरणए गांव की मुख्य गलियों का निर्माणए पक्की फीरनीए बीपीएल कालोनी में बिजली कनैक्शन सहित सभी दो दर्जन से ज्यादा मांगों को मौके पर मंजूर किया। मुख्यमंत्री आगामी 17 अगस्त को नरवाना में एक विशाल जनसभा को संबोधित करने आ रहे हैं।

नपा का विशेष घर-घर कचरा संग्रहण अभियान शुरू

नपा कर्मचारी विशेष घर-घर कचरा संग्रहण अभियान शुरू करते हुए।

कलायत। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों के तहत कलायत नगर पालिका ने वार्ड नंबर 15 और 16 में सोमवार को एक विशेष घर-घर कचरा संग्रहण अभियान शुरू किया। अभियान का उद्देश्य लोगों को गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में एकत्रित करने और डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहन में भी इसे अलग-अलग डालने के प्रति जागरूक करना था। अभियान की शुरुआत में, नगर पालिका प्रधान अंकित जैलदार, पार्षद प्रतिनिधि अनिल कंसल, राजीव यादव, सफाई दरोगा सोम प्रकाश शर्मा, पालिका कोऑर्डिनेटर सुरेश चहल और डोर-टू-डोर सफाई टीम सदस्यों ने स्थानीय निवासियों के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्हें स्वच्छता के महत्व और गीले व सूखे कचरे को अलग करने के फायदों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

कलायत। विचार विमर्श करते भाकियू नेता। फोटो :हरिभूमि

भाकियू ने बैठक कर धान की सूखती फसल और खाद की कमी को लेकर चिंता जताई

कलायत। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के सदस्यों ने सोमवार को कलायत अनाज मंडी स्थित मार्केट कमेटी कार्यालय परिसर में बैठक कर धान की सूखती फसल और खाद की कमी को लेकर चिंता व्यक्त की। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान गुरनाम सिंह सहारण ने की। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि 30 जुलाई तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो वे बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। किसानों ने बताया कि धान का सीजन चल रहा है, लेकिन कलायत क्षेत्र में पानी की भारी कमी के चलते धान की फसलें सूख रही हैं। नहरी विभाग को 15 जुलाई तक बरसाती मोंगे (नलके) लगाने थे, लेकिन अभी तक उन्हें नहीं लगाया गया है। इसके अलावा, क्षेत्र के कई माइनर और बैराज बाहों में पानी नहीं छोड़ा जा रहा है, जिससे खेतों में पानी की किल्लत बनी हुई है और किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं।

पूंडरी में सड़क किनारे नाले की लापरवाही उजागर

बीच में ही खड़े हैं बिजली पोल

- विधायक सतपाल जांबा ने दिए जांच के आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ पूंडरी

पूंडरी मौके पर बिजली अधिकारी को नाले में खड़ा पोल दिखाते विधायक सतपाल जांबा।

पूंडरी-करनाल रोड पर सड़क के साथ बने नाले में पीडब्ल्यूडी विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। स्थानीय निवासियों और दुकानदारों ने कई बार शिकायत की थी कि नाले के अवरुद्ध होने के कारण पानी सड़क पर भर जाता है, जिससे आमजन को भारी परेशानी होती है।
इन शिकायतों के बाद हल्का विधायक सतपाल जांबा ने सोमवार को मौके पर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जो तस्वीर सामने आई, वह हैरान कर देने वाली थी। नाले के बीचों-बीच बिजली के पोल खड़े मिले और एक दुकानदार के प्लॉट में लगा सबमर्सिबल पंप भी नाले के बीच में ले लिया गया। बिजली निगम के एसडीओ रविंद्र ढाकला को मौके पर बुलाया गया तो उन्होंने बताया कि ये पोल पहले से खड़े थे। लगभग 10 वर्ष पहले जब सड़क बनी तो ठेकेदार ने पोल को हटाने की बजाय नाले का निर्माण पोल को नाले के बीच में लेकर ही कर दिया। विभाग के अधिकारियों ने कमीशन की बन्दरबांट के चलते ठेकेदार के काम की गुणवत्ता जांचे बिना ही उसकी पूरी पेमेंट कर दी।इस लापरवाही का परिणाम यह है कि अब नाले की सफाई में फतेहपुर पंचायत और पूंडरी नगर पालिका हर साल लाखों रुपये खर्च करती हैं, फिर भी समस्या जस की तस बनी रहती है। जब नाले के बीच में बिजली के पोल और सबमर्सिबल लगे होंगे, तो पानी की निकासी संभव ही नहीं है।

राजौंद से पूंडरी तक जाने वाली सड़क की हालत खस्ता

राजौंद। राजौंद से पूंडरी तक जाने वाली सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने के कारण वाहन चालकों के लिए मुसीबत बने हुए हैं। आलम यह है कि सड़क पर गड्ढे दिखाई ही नहीं देते तो वाहन चालक न चाहते हुए भी दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। इस बड़े गांव निवासी शमशेर, रमेश, कर्मा, संदीप, श्यामलाल, पप्पू ने बताया कि राजौंद से जब निकलते हैं तो सेरधा गांव के पास सड़क पर काफी गड्ढे बने हुए हैं जिससे कई बार वाहन चालक घटना का शिकार हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि संबंधित विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा इसका खामियाजा वाहन चालकों व आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि गांव संतोख माजरा के पास इन गढ़ों कारण कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। लेकिन प्रशासन व संबंधित विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा। इन लोगों ने मांग करते हुए कहा कि गांव सेरधा निकलते ही जो गड्ढे सड़क पर बने हैं उन्हें भर जाए या उनकी मरम्मत करवाई जाए ताकि लोगों को ना चाहते हुए किसी घटना का शिकार ने होना पड़े।

रोहेड़ा गांव की कई बस्तियों में पीने का पानी नहीं आने से परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजौंद

रोहेड़ा गांव की कई बस्तियों में पेयजल का गंभीर संकट बना हुआ है। पिछले डेढ़ महीने से इन बस्तीयों के लोग पानी की एक एक बूंद को तरस रहे है। लेकिन जन स्वास्थ्य विभाग इस और कोई ध्यान नहीं दे रहा। बता दे की गांव की अधिकतर आबादी को गहरे बोर से पीने के पानी की आपूर्ति की जाती है लेकिन पिछले डेढ़ माह से कई बस्तियों में पीने का पानी नहीं आ रहा। जिससे ये लोग पेयजल के लिए दर दर भटकने को विवश हो चुके है। ब्लॉक समिति सदस्य राकेश उर्फ शीलू ने बताया की गांव में पेयजल की आपूर्ति के लिए लगाया गया गहरा बोर अब पानी का स्तर निचे चले जाने की वजह से पानी देने में असमर्थ हो चूका है। क्योंकि बोर में डलने वाली मोटर काफी ऊपर है जबकि पानी का लेवल काफी नीचे गिर चूका है अब पानी लेने के लिए बोर में बड़ी मोटर की आवश्यकता है। जिसे लेकर कई बार जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को गुहार लगा चुके है लेकिन धरातल पर कुछ भी होता नजर नहीं आ रहा है अभी दो तीन दिन पूर्व भी जन स्वास्थ्य विभाग

पानी की समस्या को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए गांव रोहेड़ा के महिला पुरुष। फोटो : हरिभूमि

के अधिकारीयों को गांव की समस्या बारे अवगत करवाया था और उन्होंने आश्वसन भी दिया था की जल्द ही नई मोटर डलवाकर पेयजल की आपूर्ति बहाल करवा दी जाएगी। लेकिन उन्हें नहीं लगता की जन स्वास्थ्य विभाग कोई कदम उठाएगा और लोगों पेयजल की समस्या का समाधान हो पाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन व जन स्वास्थ्य विभाग से मांग करते हुए कहा की गहरे बोर में बड़ी मोटर डलवाकर समस्या से निजात दिलवाई जाए।

दिक्कत एक साल से हॉटलाइन का इंतजार, खराब मौसम में हो जाती बत्ती गुल

इन्वर्टर दे जाते जवाब, गर्भवती महिलाएं परेशान

फाइलों के फेर में उलझी सीएचसी कंडेला

हरिभूमि न्यूज ⏭ अलेवा

सीएचसी कंडेला की हाट लाइन करीब एक साल से फाइलों के फेर में उलझी हुई है। स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों द्वारा बिजली की हॉट लाइन के लिए बिजली निगम में करीब एक साल से फाइल जमा करवाने की बात कही करवाई है, लेकिन अभी तक बिजली कनेक्शन नहीं मिल पाया है। आंधी या तूफान में सीएचसी में बत्ती गुल हो जाती है। इनवर्टर भी जवाब देते हैं। ऐसे में डिलीवरी कराने के लिए स्टाफ नर्सों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। वहीं गर्भवती महिलाएं सीएचसी में डिलीवरी कराना सेफ समझती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कंडेला के डिलीवरी हट में प्रति महिने काफी संख्या में डिलीवरी हो रही है। लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पूर्ण सुविधा न होने के कारण स्वास्थ्य विभाग हाइ रिस्क डिलीवरी कराने से परहेज करता है। ऐसे में डिलीवरी केसों को नजदीकी नागरिक अस्पताल में रेफर किया जाता है। हाइ रिस्क डिलीवरी में छह ग्राम से कम खून होना, दो बच्चे पेट में होना, बच्चा उल्टा होना, बीपी शुगर की समस्या आदि शामिल है। इसके अलावा पहला बच्चा यदि सिजेरियन में हुआ है तो उसे हाइ रिस्क डिलीवरी की श्रेणी में रखा जाता है।

अलेवा। बिना हॉट लाइन के सीएचसी में गर्मी में बैठी दिखाई देती गर्भवती महिलाएं एवं मरीज।

बिना बिजली के महिलाएं बेहाल, ले रही वृक्षों का सहारा

गर्भवती महिला सुमन, कविता, संतोष, मोनिका, अंजलि आदि ने बताया कि आम रूटिन चेकअप करवाने के लिए सीएचसी में कंडेला में पहुंची तो वहां बिजली नहीं थी। इसके लिए कर्मचारियों से बात की तो उन्होंने बताया कि बिजली 12 बजे आएगी। जिससे गर्भवती महिलाओं को गर्मी के इस मौसम में बिना बिजली के सीएचसी में इधर-उधर वृक्षों के नीचे बैठकर इंलाज कराने पर विवश होना पड़ रहा है।

फाइल जमा, निगम नहीं दे रहा कनेक्शन : डॉ. अन्नू

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कंडेला की मेडिकल आफिसर डा. अन्नू ने बताया कि सीएचसी में हाट लाइन के लिए विभाग द्वारा करीब एक वर्ष से नगूरां बिजली निगम में फाइल जमा करवाई हुई है। इसके लिए हर महिने रिमांडर भी भेजा जाता है, लेकिन कमी कहां रह जाती है को, बताने को तैयार नहीं है। वैसे डिलीवरी हट में तमाम सुविधाएं उपलब्ध है। भले ही यहां हाट लाइन बिजली कनेक्ट शन नहीं हो, लेकिन इन्वर्टर से काम चलाया जा रहा है। इन्वर्टर के अलावा विभाग के पास अन्य विकल्प भी है।

निगम में नहीं फाइल जमा : एसडीओ

बिजली निगम नगूरां के एसडीओ आनंद कुमार ने बताया कि बिजली निगम नगूरां में सीएचसी कंडेला की हाट लाइन से संबंधित किसी प्रकार की फाइल जमा नहीं है। अगर स्वास्थ्य विभाग द्वारा किसी प्रकार की फाइल निगम में जमा करवाई है तो उच्चाधिकारी मामले को लेकर उनसे मिल सकते हैं या फिर कोई आनलाइन कागजात है तो उनके पास भेज सकते हैं। जिससे अगली प्रक्रिया शुरू करवाई जा सके। निगम की शर्तों के अनुसार सीएचसी कंडेला की हाट लाइन के लिए सभी शर्तों समेत फाइल पुरी है तो अधिकारी उनसे मिलकर काम शुरू करवा सकते हैं।